

खाटू वाले को मन से पुकारो एक बार भजन लिरिक्स



खाटू वाले को,
मन से पुकारो एक बार,
नंगे पग दौड़ा आए,
नंगे पग दौड़ा आए,
सुनके पुकार,
खाटू वाले को,
मन से पुकारो एक बार।bd।

[तर्ज - किमस्त वालों को।](#)

भटक भटक कर,
दुनिया में मत डोल,
एक बार निज,
हृदय के पट को खोल,
घट में ही श्याम प्रभु का,
घट में ही श्याम प्रभु का,
होगा दीदार,
खाटू वाले को,
मन से पुकारो एक बार।bd।

करे फैसला पल का फेर नहीं,
देर तो है लेकिन अंधेर नहीं,
भर दे पल में भंडारा,
बाबा हारे का सहारा,
पहले तू हार,
खाटू वाले को,
मन से पुकारो एक बार।bd।

सुर नर मुनि जब पार नहीं पाए,
'किशन' भला क्या भेद समझ पाए,
पकड़ो अब बांह हमारी,
खाटू के श्याम बिहारी,
'पागल' के यार,
खाटू वाले को,
मन से पुकारो एक बार।bd।



खाटू वाले को,
मन से पुकारो एक बार,
नंगे पग दौड़ा आए,
नंगे पग दौड़ा आए,
सुनके पुकार,
खाटू वाले को,
मन से पुकारो एक बार।

स्वर – सुरभि चतुर्वेदी।
